MR. CHAIRMAN: I have received notices under rule 167 for discussing this question from 12.30 p.m. onwards. I, therefore, adjourn the House until 12.30 p.m. in order to take up the discussion on this question, under rule 167.

SHRI JANESHWAR MISRA: In the presence of the Prime Minister.

THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI S.B. CHAVAN): Sir, may I say something? *(Interruptions)....*

SHRI VIREN J. SHAH (Maharashtra): Sir, you have already adjourned the House. *(Interruptions)....*

SHRI S.B. CHAVAN: Sir, in regard to the question of the Prime Minister being present here, I would like to point out that the Prime Minister is busy in the other House on this very issue. Therefore, after he finishes there, he can come here. *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: The Leader of the House has said this before about the hon. Prime Minister's difficulty in being here at 12.30 p.m.

SHRI S. JAIPAL REDDY: He can come later on.

MR. CHAIRMAN: It is understood. In the meantime, we will carry on the discussion.

I now adjourn the House till 12.30 p.m.

—

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Coal requirement of Power plants

*541. SHRI RAHAS BIHARI BARIK: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) the approximate annual requiremnt of coal of each power plant in the country;

(b) the total quantum of coal being supplied to each power plant out of the domestic production of coal;

(c) the alternative steps taken by Government to ensure the supply of coal to each power plant as per demand; and

(d) the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) and (b) For the year 1994-95, the total requirements of coal for State Electricity Boards and other power utilities in the country as assessed by the Central Electricity Authority was 170 million tonnes which was later enhanced to 177 million tonnes. The actual supplies of Coal to them including middling during the year were 169.74 million tonnes (provisional). Details of power house-wise demand and actual supplies during the year 1994-95 are enclosed as Statement. *(See below).*

(c) and (d) Coal supplies to power sector were affected by very heavy rains during 1994-95. Efforts of coal companies to make good the shortfalls during the later part of the year did not yield the desired results due to transport constraints.

High priority is given to the power sector. The position of coal supplies to this sector is reviewed every week by an inter-Ministry Committee, and appropriate action is taken. The alternative of import is now also available.

Statement

Demand and Despatches to power houses during 1994-95.

(Figures in '000 Tonnes)

Data provisional

Name of the Plant	Demand	Total Despatches
(1) Andhra Pradesh		
Kothagudam	3690	3682
Muddanur (Rayalseema)	380	39
Nellore	120	46
Ramagundam B	260	267
Ramagundam STPS	9430	9108
Vijayawada	5540	5261
(2) Assam		
Bongaigaon	370	318
(3) Bihar		
Barauni	680	866
Bokaro (DVC)	2750	1730
Chandrapura (DVC)	1740	1409
Kahalgaon	900	492
Muzaffarpur	540	402
Patna	60	12
Patrati	1960	1197
Tenughat	500	0
(4) Delhi		
Badarpur	3830	4421
Indra Prasta	1220	989
Rajghat	620	679
(5) Gujarat		
Ahmedabad (AEC)	1490	1519
Gandhi Nagar	2500	2276
Sikka	970	917
Ukai	3330	2920
Wanakbori	5050	5103
(6) Haryana		
Faridabad	770	667
Panipat	2480	2151
(7) Karnataka		
Raichur	2870	3095
(8) Maharashtra		
Bhusaval	2230	2211
Chandrapur	8620	8205

Name of the Plant	Demand	Total Despatches
Dahanu	150	23
Kaparkheda	2100	2137
Koradih	5090	5318
Nasik	3810	4035
Paras	190	121
Parli	3180	2949
Trombay	530	206
(9) Madhya Pradesh		
Amarkantak	1290	1098
BHEL/Bhopal	30	0
Birsingpur	750	921
Korba East	2050	1963
Korba STPS	10290	10427
Korba West	3410	3177
Satpura	4910	5382
Vindhyachal	5120	5531
(10) Orissa		
IB	280	324
Talchar	1580	1207
(11) Punjab		
Bhatinda	2230	1762
Ropar	5270	4218
(12) Rajasthan		
Kota	3570	3355
(13) Tamil Nadu		
Ennore	2060	2821
Mettur	3950	3946
North Madras	—	15
Tuticorin	3920	3301
(14) Uttar Pradesh		
Anpara	4040	6437
BHEL	100	37
Harduganj	1090	568
NCTTP (Dadri)	1920	1602
Obra	5810	3899
Panki Old & Extn	610	516
Paricha	1000	250
Richand	4290	4301
Singrauli STPS	8750	9299
Tanda	1230	693
Unchahar	1870	1281

Name of the Plant	Demand	Total Despatches
(15) West Bengal		
Bandel	1160	1347
CESC/S.G.	1470	1585
DPL	730	583
Durgapur	1140	1219
Farakka	4600	4494
Kolaghat	4220	3908
Santaldih	1100	1038
Titagarh	860	917

मध्य प्रदेश में केलो नदी परियोजना का निर्माण

*542 **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मध्य प्रदेश में बहुउद्देश्यीय "केलो नदी परियोजना" के निर्माण की स्वीकृति हेतु मंत्रालय द्वारा कौन-सी आपत्तियां लगाई गई हैं, जिनका अब तक निराकरण नहीं हुआ है;

(ख) उनके मंत्रालय को अनापत्ति प्रमाण-पत्र जारी करने हेतु राज्य सरकार का अनुरोध कब प्राप्त हुआ; और

(ग) अक्तूबर, 1994 की स्थिति के अनुसार राज्य सरकार के अनुरोध पर केन्द्रीय सरकार द्वारा तथा केन्द्रीय सरकार के अनुरोध पर राज्य सरकार द्वारा की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा): (क) चूंकि प्रस्तावित बांध द्वारा क्षेत्र के आप्लावन हो जाने की संभावना है और उक्त क्षेत्र में कोयले के भंडार विद्यमान होने का पता चला है, जोकि स्थायी रूप से अवरूद्ध हो जाएंगे, अतः इस परियोजना को अनुमोदन दिए जाने से पूर्व इस विषय को केन्द्रीय खान आयोजन एवं डिजाइन संस्थान लि० को आगे जांच किए जाने के लिए संदर्भगत किया गया था।

(ख) इस संबंध में उपलब्ध सूचना के अनुसार जनवरी, 1990 में केन्द्रीय जल आयोग ने भू-गर्भीय तथा खनन निदेशालय, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा केलो नदी परियोजना के आप्लावन क्षेत्र में, कोयले के भंडार विद्यमान होने के संबंध में तैयार की गई एक रिपोर्ट, कोयला मंत्रालय के अनुमोदन तथा टिप्पणी हेतु अग्रसारित की थी।

(ग) लाभकारी रूप में खनन-योग्य भंडारों के स्थायी रूप से अवरूद्ध हो जाने की संभावनाओं को समाप्त किए जाने हेतु इस मामले में और भू-गर्भीय जांच किया जाना आवश्यक समझा गया। भू-गर्भीय तथा खनन निदेशालय, मध्य प्रदेश सरकार ने गहराई से ड्रिल किए जाने के कार्य में अपनी असमर्थता व्यक्ति की थी और उन्होंने केन्द्रीय खान आयोजन एवं डिजाइन संस्थान लि० को सुझाव दिया था कि इस कार्य के लिए किसी बाह्य अभिकरण को नियोजित किया जाए। तद्नुसार भारतीय भू-सर्वेक्षण को इस क्षेत्र की विस्तृत रूप से जांच किए जाने के लिए कहा गया था। भारतीय भू-सर्वेक्षण ने सितम्बर, 1991 से जुलाई, 1992 की अवधि के दौरान उक्त क्षेत्र में और भू-गर्भीय जांच की थी। भारतीय भू-सर्वेक्षण से अन्वेषण कार्य की अनुमानित लागत के रूप में 30 लाख रु० की राशि की मांग की थी और तद्नुसार कोयला मंत्रालय ने मध्य प्रदेश सरकार से केन्द्रीय खान आयोजन एवं डिजाइन संस्थान लि० को अदायगी किए जाने के लिए उक्त राशि की व्यवस्था करने हेतु अनुरोध किया था, जिन्होंने कि भारतीय भू-सर्वेक्षण को नियोजित किए जाने और इस संबंध में किए गए कार्य की अदायगी किए जाने की जिम्मेदारी ली थी। इस संबंध में अन्वेषण कार्य पूरा हो जाने के बाद भारतीय भू-सर्वेक्षण ने 38.17 लाख रु० की राशि का एक बिल प्रस्तुत किया है, जिसकी कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा अदायगी की जानी है।